

गन्दी ॥ वलि ॥ पृथ ॥ जम्ब ॥ नदी ॥ सखर ॥ गानक ॥ रू ॥ गुं ॥ अखलु ॥ पृथ ॥ चान ॥ सखर ॥ कू ॥ पुन
 को को के के के को को जा जो के के के को को ओ
 ॥ चू ॥ मलि ॥ व ॥ खा ॥ खा ॥ अ ॥ म ॥ ग ॥ ल ॥ क ॥ ना ॥ क ॥ क ॥ ब ॥ ला ॥ पा ॥ ठ ॥ स ॥ व ॥ क ॥ न ॥ सा ॥ वि ॥ ध ॥ म ॥ स ॥ न ॥
 ओ ओ ओ ओ ओ ओ ओ ओ ओ ओ ओ ओ ओ ओ ओ ओ
 पना ॥ स ॥ गु ॥ च ॥ न ॥ म ॥ ग ॥ ठ ॥ क ॥ ल ॥ अ ॥ र्थ ॥ न ॥ ग ॥ म ॥ व ॥ रु ॥ का ॥ उ ॥ मा ॥ थ ॥ म ॥ ग ॥ अ ॥ लु ॥ म ॥ र्थ ॥ व ॥ द ॥ द ॥ भ
 हो हो हो हो हो हो हो हो हो हो हो हो हो हो हो हो
 न ॥ ल ॥ प ॥ द ॥ व ॥ म्मा ॥ लु ॥ य ॥ कि ॥ उ ॥ क ॥ अ ॥ वि ॥ श ॥ ल ॥ न ॥ य ॥ ग ॥ न ॥ ल ॥ म ॥ न ॥ न ॥ ल ॥ र ॥ न ॥ ल ॥ उ ॥ ल ॥
 को को के के के को को को को को को को को को को को को
 का ॥ क ॥ प ॥ ल ॥ स ॥ व ॥ त ॥ अ ॥ र्ज ॥ नि ॥ ना ॥ र ॥ स ॥ ल ॥ व ॥ च ॥ ल ॥ अ ॥ र्वा ॥ ना ॥ य ॥ क ॥ द ॥ द ॥ य ॥ अ ॥ त्म ॥ नि ॥ र्वा ॥ वा ॥ र ॥ व ॥
 हो हो हो हो हो हो हो हो हो हो हो हो हो हो हो हो

269
 Malafala
 Sulu
 Bika kosa.

वी-को.

२

शिराता॥ कल्याण॥ वामन॥ साधक॥ तनूत॥ वत्स॥ राव॥ लोहित॥ कोसिक॥ शरु॥ पनूमा॥ साङ्गि॥
हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ
पकि॥ याग॥ उरुस॥ कन॥ काकीमूखा॥ कमला॥ धाया॥ तर्कत॥ साकन॥ कुरुका॥ उन्नाला॥ विष्ठा
हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ
ला॥ उन्नाद॥ वैकानिक॥ मन्त्रान॥ सिन्धु॥ कीलाला॥ मरुतु॥ कनूमा॥ लूखन॥ दीप॥ ऊँरु॥ यगुंग॥
हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ
श्रुति॥ ककुना॥ संधात॥ लेसका॥ विलास॥ सैग्रहा॥ धृष्ट॥ कार्ष्ण्टा॥ हान॥ सयैमा॥ श्रुति॥ संधन॥
हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ
लावन॥ ऊँगम॥ लुचि॥ गुरु॥ खर्च॥ मध्व॥ कुभन॥ कुरु॥ लूखन॥ वागुव॥ खर्चाग॥ वाधीनी॥
हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ

राम

२

[illegible]

वी. को.
२

जिह्वा॥ लिङ्ग॥ नेमय॥ पंनाग॥ पिपुना॥ नोड॥ सैविश्या॥ मङ्ग॥ मङ्गना॥ याम्प॥ उरु॥ जीवनी॥
यङ्ग॥ वाना॥ वगाला॥ वागव॥ लोका॥ उग॥ पुरक॥ भयणी॥ केलिका॥ श्रुला॥ ओर्थकना॥ नादिका॥
सकंद॥ दसुता॥ पम्प॥ कलिक॥ व्यय॥ सनस॥ समन॥ नाग॥ सान्म॥ सगित॥ रादिका॥ लातका॥
कटिला॥ नीहिनी॥ धरि॥ चर्यटा॥ महिमाता॥ रानिती॥ उतकाचिनी॥ भाचिनी॥ लांगला॥ वईमाना॥ वण॥
॥ शयी॥ पपु॥ खनसंहा॥ सिसा॥ नाग॥ वासा॥ वाङ्ग॥ स्वात॥ कानीग॥ स्वसिक॥ सव्यविरा॥ चडा॥

राम
३

वरु॥ गानावरु॥ गहवरु॥ कोलमिना॥ दधिसव॥ पिदेवग॥ यथोमया॥ पिदेव॥ विजया॥ सैरति॥ च
 नून॥ लप॥ विनू॥ श्रीक॥ सैरानि॥ नादाक॥ वामन॥ वंमज॥ विधुति॥ गोपद॥ मा
 नलु॥ विनादा॥ विमर्द॥ लपन॥ मोर्नि॥ विनू॥ श्रपना॥ चक्री॥ विनू॥ विनसा॥ दानिक॥
 समित॥ पुरात॥ विदिक॥ वैठप॥ कोलं॥ विविग॥ ध॥ उ॥ विस्म॥ पाणि॥ सिद्धि॥
 ॥ नित्य॥ संप॥ मोती॥ रसा॥ सैक॥ वन॥ विधा॥ सैध॥ कल॥ ल॥ विक॥
 ॥ विक॥

॥ श्रीकृ॥
श्री

वी. को.
४

संकुम॥कुलमुखा॥चक्रभुषी॥समज्ञा॥विनिवा॥कला॥गक॥विहना॥विष्टि॥नय॥पुष्पकपाटा॥सैष्टि
कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं
॥विकारा॥विकेटा॥यागगुह॥दिगम्बना॥नमपूट॥संन्यास॥विकनाली॥मोने॥रुलिका॥विखुना॥विमाला॥
कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं
कलावनी॥सर्वस्व॥विप्रिया॥संगव॥वेकदा॥मंजिला॥समाधन॥संदर्भना॥योकिक॥संशली॥संरावना॥
कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं
मुनिडा॥मायारुना॥विस्वनिगा॥युरुना॥विशवन॥चक्रिक॥विक्रमा॥विष्टुथ॥भर्षक॥गुरुक॥विवरु॥संग
कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं
ना॥संगूठा॥वेधन॥लप॥संवरुक॥विवरुक॥पारांडा॥गुरंय॥विष्टुकि॥जमन॥संघाना॥संमेल॥॥
कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं

राम
४

सम्बल॥धर्मिल॥धन॥विवस्॥संराच॥संयाग॥विश्राग॥पाटव॥पियत्ता॥विकल॥विहृता॥६

ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं

उलानु॥ॐदिया॥विनिमय॥संजावना॥विपुसा॥विनाग॥विराडा॥केतवा॥शार्तका॥संरानिली॥वि

ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं

घटी॥विसेहा॥प्रत्यय॥चित्प्रय॥संप्रत्यय॥संविप्रत्यय॥वृत्तिका॥अनृत्तिका॥गुफा॥चानु॥गुफाखच

ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं

जी॥पायाना॥उच्चनिवचन॥चछिता॥विदासा॥संभाही॥विनर्मा॥विकृत॥संरुता॥संयाहि॥विसेपानि॥

ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं

वी. का.

१

पिरेवी॥ मोल॥ विकग॥ व्याल॥ मखल॥ मधी॥ रुष्टि॥ पुराणि॥ कृष्क॥ कनारी॥ वाण्या॥ चारी॥ मंगाल
झीं झीं झीं झीं झीं झीं झीं झीं झीं झीं झीं झीं झीं झीं

विमान॥ विचल॥ वृहति॥ सपिलु॥ पाकान॥ कृहिका॥ वीराली॥ गह्व॥ वेरुथ॥ श्रीवत्स॥ शील॥ पात्र॥
झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं

श्रवान॥ पुरग॥ यूप॥ रुद्रु॥ गर्यक्ष॥ रुद्र॥ वनूट॥ श्रीनि॥ चानध॥ रुद्र॥ गप॥ सयथा॥ केंदा॥ विमा
झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं

ना॥ यमिति॥ वधु॥ या॥ श्रुकोम॥ सखिरि॥ वल॥ दाह॥ चचन॥ शानावन॥ संपदाया॥ राकन॥ पशु॥
झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं झूं

राम
१

दधु॥ ककु॥ सिद्धा॥ प्रति॥ वमु॥ मन्दा॥ देव॥ सन्ध॥ वर्ष॥ कन्दा॥ विगाना॥ किङ्क॥ रिधि॥ कृष्ण॥ स
ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

गति॥ वरु॥ शी॥ प्री॥ सामा॥ नमो॥ वान॥ मृग॥ का॥ विथी॥ पल॥ खन॥ कन॥ चतु॥ व्यथा॥ दु॥ वरा॥ वी॥
ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

॥ धा॥ मु॥ वि॥ क॥ का॥ धू॥ नय॥ अ॥ अ॥ ग॥ दि॥ का॥ वा॥ ल॥ म॥
ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

॥ म॥ दू॥ अ॥ म॥ य॥ र॥ र॥ प॥ अ॥ न॥ नि॥ क॥ व॥
ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

विष्णुकि॥साय॥ ॥स॥ ॥१॥ विस॥ ॥२॥ क॥पिनी॥ ॥३॥ नि॥ ॥४॥ व॥धिनी॥ ॥५॥ हि॥ ॥६॥ रा॥स॥ ॥७॥ स॥

का॥वि॥ ॥८॥ व॥स॥नी॥ ॥९॥ क॥ प्र॥व॥जा॥ ॥१०॥ द॥ का॥ ॥११॥ य॥ज्ञ॥ ॥१२॥ प्र॥का॥ ॥१३॥ नि॥नी॥ ॥१४॥

श॥ल॥स॥ ॥१५॥ वि॥ ॥१६॥ स॥ ॥१७॥ य॥ ॥१८॥ श॥व॥ ॥१९॥ द॥ ॥२०॥ न॥ ॥२१॥

॥न॥ ॥२२॥

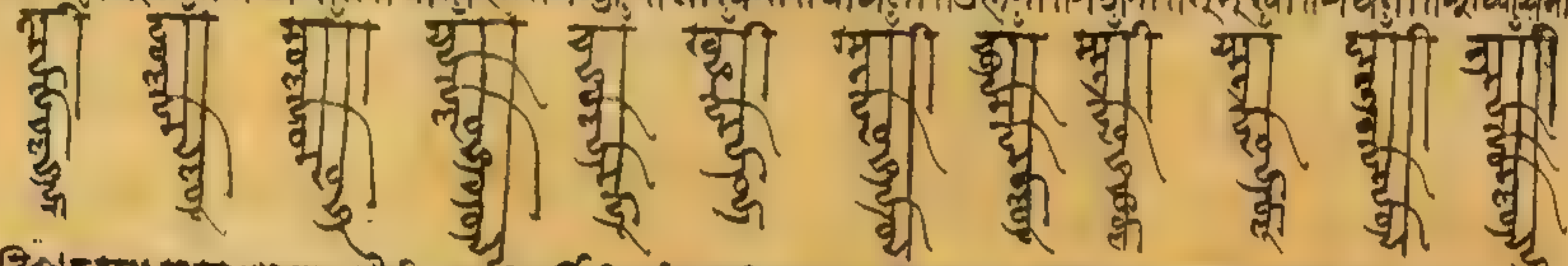
5

[illegible]

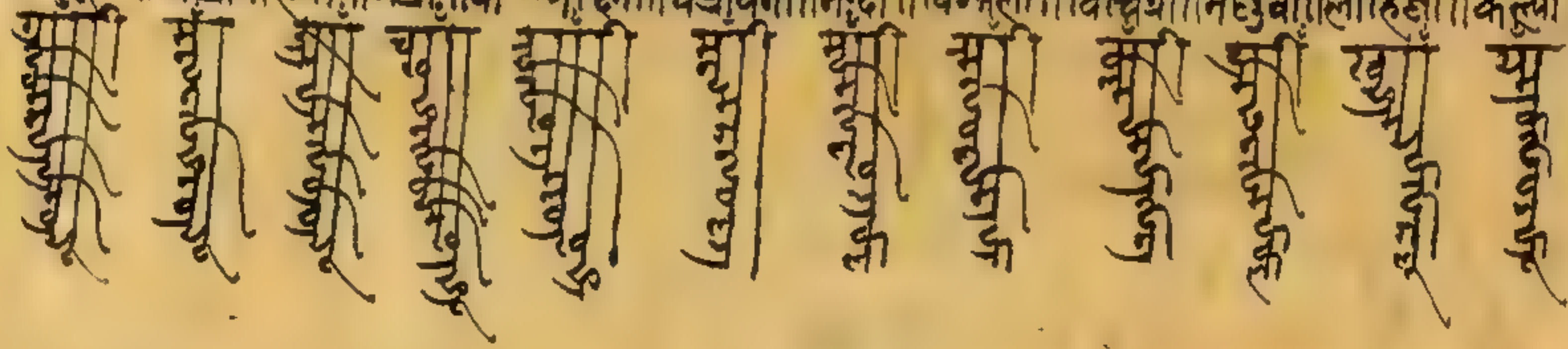
राम

6

सती ॥ मूदीना ॥ आमनी ॥ कपिला ॥ नकु ॥ सोविता ॥ कर्कली ॥ डरुना ॥ नकुनी ॥ समखी ॥ नकुनी ॥ आयायनी ॥



विष्णुदाता ॥ वडा ॥ रुमा ॥ मेपी ॥ क ॥ पद्मिनी ॥ चैदावनी ॥ नन्दा ॥ विभला ॥ विचित्रा ॥ मलुवी ॥ लोहिनी ॥ कल्या ॥ ॥



वी० का०

८

सुकल्पा॥ पूरणा॥ क्षान्ति॥ क्षान्ति॥ धीना॥ वगवती॥ कुरुती॥ चिकु॥ सवति॥ शुभिका॥ कोटमा॥ ॥८॥

सुकल्पा॥ पूरणा॥ क्षान्ति॥ क्षान्ति॥ धीना॥ वगवती॥ कुरुती॥ चिकु॥ सवति॥ शुभिका॥ कोटमा॥ ॥८॥

विकल्पा॥ नपती॥ वृक्षा॥ मनीषि॥ कलिनी॥ नचि॥ समारा॥ लपवती॥ लम्बिका॥ मूला॥ गङ्गावती॥ ० ॥

विकल्पा॥ नपती॥ वृक्षा॥ मनीषि॥ कलिनी॥ नचि॥ समारा॥ लपवती॥ लम्बिका॥ मूला॥ गङ्गावती॥ ० ॥

सम

८

वी० की०
२०

मंगल ॥ अग्निधामीय ॥ देहाग्र ॥ विश्वद्वय ॥ लनृह ॥ वेतायका ॥ नानासमी ॥ वायव्य ॥ वेपुज ॥ आयसि ॥ ॥०

मातलोक ॥ लकी ॥ गनृह ॥ ली ॥ रवी ॥ मोह ॥ शथवेह ॥ माधीक ॥ देववानृह ॥ लासु ॥ करधकन ॥ हेसा ॥

राम
२०

नय्याय ॥ नाविकनस ॥ डोसनस ॥ वारुस्यपा ॥ मेध ॥ नीललोहित ॥ लुक् ॥ अरुह ॥ चिन् ॥ भुवि ॥ नाहिता ॥ कृष्ण ॥

अथ ॥ धवल ॥ अथ ॥ नक ॥ नमल ॥ कलमावा ॥ पानल ॥ लोक्तन ॥ नील ॥ लोहिता ॥

पौ ॥ धु ॥ म ॥ काल ॥ वम ॥ कपिला ॥ पिगला ॥ कर्क ॥ धूमन ॥ हावि ॥ का ॥ क ॥ म ॥ मा ॥ य ॥

अथ ॥ धवल ॥ अथ ॥ नक ॥ नमल ॥ कलमावा ॥ पानल ॥ लोक्तन ॥ नील ॥ लोहिता ॥

वी० का०
११

पाटल ॥ पीता ॥ लोहा ॥ कपिला ॥ वज्र ॥ उदु ॥ भद्र ॥ हानि ॥ हवि ॥ हविष ॥ मातृस ॥ कादव ॥ तस्मिन् ॥

उवन ॥ संकन ॥ गीग ॥ यमना ॥ सरस्वती ॥ चन्द्रागा ॥ विष्णु ॥ उमावती ॥ दविका ॥ गममती ॥ विगसा ॥

राम
११

वी० को०
१२

नर्मदा ॥ सिंधा ॥ कावेरी ॥ कृष्णवती ॥ पुष्करा ॥ हीमवती ॥ गङ्गावती ॥ तापि ॥ यमुना ॥ कनका ॥ गङ्गा ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

कुकी ॥ वाङ्मता ॥ सनपु ॥ लनायती ॥ कोलिका ॥ उल्लिनी ॥ रूलावती ॥ समुग ॥ वरुवती ॥ चर्मवती ॥ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

राम
१२

वी० का०
१२

सर्वत्रैवा॥ तमसा॥ धनदाया॥ निविद्या॥ विनया॥ मन्त्रला॥ महानदी॥ वाग्मती॥ वन॥ स्म॥ स्म॥ द्या॥ वाया
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

वरी॥ शान्तिनसा॥ मन्दाकिनी॥ मलयप्रहानिदी॥ नरुद्र॥ हिमवत्का॥ सिद्ध॥ घर्घना॥ कोकनदा॥ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

राम
१२

प्राहिण्य ॥ अलकलन्दा ॥ रागवती ॥ वीरु ॥ भीता ॥ दम्बनी ॥ रुला ॥ तिमि^{मा} ॥ तिमिना ॥ हतिला ॥ कन्दिका ॥

किन्दा ॥ चपावती ॥ पदुमि ॥ पालिता ॥ कुमिला ॥ ताम्रपुष्प ॥ कनमाला ॥ साममुवा ॥ मकुला ॥ वन्द ॥

किन्दा ॥ चपावती ॥ पदुमि ॥ पालिता ॥ कुमिला ॥ ताम्रपुष्प ॥ कनमाला ॥ साममुवा ॥ मकुला ॥ वन्द ॥

वी० को०
१३

सुवाहिनी॥ उदया॥ अस्क॥ मन्दाना॥ अचन॥ चक॥ माया॥ च०॥ विचनी॥ गन्धर्व॥ मालि॥ नल॥ रुम॥ आसाद॥
सो॥ सो॥ लो॥ सो॥ सो॥ सो॥ सो॥ सो॥ सो॥ सो॥ सो॥ सो॥ सो॥ सो॥ सो॥

आसाद॥ उताचूपवीजावि॥ ॥ कन॥ काय॥ खन॥ खर्व॥ ग०॥ ग०॥ घट॥ घम॥ चन॥ चान॥ कल॥ क०॥
कं कं खं खं गं गं घं घं चं चं कं कं

गाम
१३

जल॥ जाति॥ अच॥ मृ०॥ ट०॥ टीका॥ ००॥ ००॥ जि०॥ जि०॥ ट०॥ ट०॥ त०॥ त०॥ धली॥ अति॥
जं कं जं जं टं टं ०ं ०ं जं जं टं टं तं तं थं थं

दली॥शन॥धन॥धन॥नन॥ननी॥पद॥पर्व॥रुली॥रु॥७॥वन॥वल॥रुन॥रुल॥मन॥माया॥यति
हैं हैं धं धं नं नं पं पं रुं रुं वं वं हं हं मं मं यं

पाग॥नवा॥नल॥लय॥लीला॥न०॥नम॥धरु॥धरु॥समा॥सद॥रुन॥रुन॥रुमा॥रुन॥
यं नं नं लं लं नं नं लं लं सं सं हं हं कं कं ॥३॥

नीला॥भाव॥वृष॥इरी॥स्वध॥भावा॥यम॥गय॥रुय॥रुना॥रुना॥रुन॥वाग॥नम॥पुलु॥जद॥
कं रुं लं लं रुं रुं हं हं सं सं लं लं धं धं हं हं हं हं

वी०का०
१४

स्वत॥कुव॥भृग॥रुनि॥विष्म॥ ॥कि॥गर्ह॥पू॥डव॥सि॥वही॥कृ॥जा॥क्ष॥
सं लं सै लै लौ ॥ ॥ क॥ ख॥ ग॥ च॥ छ॥ ज॥ ट॥ ठ॥ ड॥

॥पा०॥
म०

वी०वी॥दथ॥प्रम॥ग्रह॥अ॥म०॥म०॥ज॥सो॥र॥गि॥प्र॥न॥पू॥वि॥रु॥
ग॥ थ॥ द॥ प॥ रु॥ व॥ स॥ रु॥ क॥ ख॥ ग॥ च॥ छ॥ ज॥ ट॥ ठ॥ ड॥

नाम
१४

द॥दा॥रु॥धी॥वि॥भ॥भ॥प्र॥रु॥न॥न॥म॥रु॥रु॥म॥रु॥
ग॥ग॥थ॥द॥प॥रु॥रु॥व॥स॥रु॥क॥ख॥ग॥च॥छ॥ज॥ट॥ठ॥ड॥

दी० का०

१५

२ (अलिपा)
मृदु ॥ दृष्टि ॥ वक्त्र ॥ पोर्तुकामा ॥ मन ॥ वृद्धि ॥ अहं काल ॥ विरु ॥ अहं न ॥ यागदमि ॥ पिलु ॥ निनैक न ॥ ॥
मृदु ॥ दृष्टि ॥ वक्त्र ॥ पोर्तुकामा ॥ मन ॥ वृद्धि ॥ अहं काल ॥ विरु ॥ अहं न ॥ यागदमि ॥ पिलु ॥ निनैक न ॥ ॥

१ (अलिपा)
गमाय ॥ ०० डिया ॥ अकन ॥ पहा ॥ पकनि ॥ पमाना ॥ पयय ॥ अणमि ॥ सहा ॥ पनमार्थ ॥ जीवास ॥ गकिनी ॥
गमाय ॥ ०० डिया ॥ अकन ॥ पहा ॥ पकनि ॥ पमाना ॥ पयय ॥ अणमि ॥ सहा ॥ पनमार्थ ॥ जीवास ॥ गकिनी ॥

माम

१५

माला ॥ मस्तान ॥ विक्रम ॥ उच्चस्वरा ॥ किंजल्क ॥ नील ॥ संपु ॥ कुल ॥ समस्य ॥ मंग ॥ वरु ॥ मय ॥ गकन ॥
केला ॥ विक्रम ॥ हान ॥ रुका ॥ कति ॥ कल्प ॥ प्रस ॥ वनरु ॥ नभय ॥ मेरु ॥

वी. का.
१७

महादय ॥ कलना ॥ पुड ॥ अविशा ॥ मोरु ॥ तामि ॥ नाग ॥ दय ॥ विपाक ॥ यानि ॥ उपाधि ॥ मनकूट ॥ अगुमालाश्चनं
लिमनकूट ॥
सुमी ॥ दुमी ॥ इमी ॥ ममी ॥ रमी ॥ रुमी ॥ लमी ॥ यमी ॥ ममी ॥ वमी ॥ इमी ॥

पनमास ॥ पतिविम्ब ॥ आरास ॥ निमिरु ॥ वंद ॥ सुसु ॥ निषा ॥ साजि ॥ समंद ॥ उमसम ॥ स्मृति ॥ चेताय ॥
सुमी ॥ दुमी ॥ इमी ॥ ममी ॥ रमी ॥ रुमी ॥ लमी ॥ यमी ॥ ममी ॥ वमी ॥ इमी ॥

शाम
२७

वी. का.
१६

मानव॥ भूकला॥ काली॥ सिद्धा॥ धर्म॥ जया॥ हयग्रीव॥ गेरी॥ साध्व॥ वधू॥ महाकाय॥ अशपाला॥ कर्चु॥
को को को को के के के के के के के के के

आसाद॥भक्ति॥चक्षु॥विश्व॥दनु॥किन्नर॥भृगु॥कुरु॥अमृत॥शिव॥साम॥नदी॥काम॥
हो॥उ॥ऊ॥ओ॥ओ॥ओ॥हं॥लं॥ली॥लू॥ले॥ले॥ली॥ली

नति॥प्रा॥मद्य॥त्वष्ट॥दसु॥नक्ति॥नकु॥नय॥ही॥विद्यु॥खचनी॥भूनक॥कृष्ण॥
 ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

नाम
१६

वामु॥ वि० कि॥ पितृवा॥ दानुवा॥ यागिनी॥ काल॥ वि० व॥ ख० पु॥ ब० धि॥ आमा॥ माला॥ नील॥ ऐनवि॥ ६
जं प्र ओ ली की ई जं जां जी नं ऊं ऊं सोः

आदिषा॥सुदर्शन॥वला॥युक्त॥विक्रया॥विपुला॥ज्ञान॥रक्षा॥सन्धिना॥सिन्धु॥श्रद्धा॥नयन॥वह्नि॥
स४ स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री

अष्टा॥श्रद्धा॥महाता॥मनि॥नृप॥वृष॥युद्ध॥कौमुदी॥अष्टा॥पौष्प॥निर्मला॥कल॥चित्र॥मधुल॥
इ स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री

सुखा॥प्रणा॥संप्रणा॥^{विभुक्ति}नन्दिनी॥स्युनि॥कारि॥अदि॥रतिनी॥दीप्ता॥सुद्धि॥सवति॥प्रगता॥सीखिनी॥
स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री

कलिका॥खट॥विहंगमा॥मातवा॥निडा॥पूष्पा॥नीकु॥धूम॥जयनी॥ललिता॥श्रद्धा॥निटलि॥८
स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री

कल्प॥मृका॥महा॥कुम्भ॥रुसिहा॥वल्गु॥सान्ना॥शुद्ध॥मोक्ष॥स्य॥शाय॥मखला॥कलु॥गुह्य॥दीप॥
ऊँ ऊँ ईं औं औं औं औं औं औं औं औं औं औं औं औं औं औं

ॐ॥वदी॥दक्षिण॥पुल॥मन्दाना॥सपु॥चणमही॥वलि॥क॥लिखा॥ऊँ॥पैकि॥जकिनी॥रु
ऊँ ऊँ ईं औं औं औं औं औं औं औं औं औं औं औं औं औं औं

काल॥पलय॥हान॥कावनी॥कर्तिका॥मखला॥जग॥कल्प॥रुसि॥शग॥अना॥हत॥काया॥पिण्ड॥
मूँ मूँ मूँ मूँ मूँ मूँ मूँ मूँ मूँ मूँ मूँ मूँ मूँ मूँ मूँ मूँ

हल॥आ॥निक॥वताल॥कारि॥द्यन्त्र॥पिण्डला॥विता॥धरु॥कवन्ध॥ककच॥श्रुति॥ममन॥
ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ ऊँ

वी० का०
२०

भव ॥ लोकन ॥ टिका व्यास ॥ अष्टरा ॥ अष्टन ॥ शीदा ॥ कृष्ण ॥ सनान ॥ माद ॥ निर्दाल ॥ कारक ॥ वक्र ॥ ६
मौं मौं मूं मुं मों मों मूं मूं मों मों मों मों

आनन्द ॥ अताप ॥ लोभ ॥ उद्वान ॥ पनपता ॥ शक्रा ॥ उद्वान ॥ पिनाक ॥ उमर ॥ नानाच ॥ निपाकाना ॥ कपीरि ॥
मूं मूं मों मों मों मों मूं मूं मों मों मों मों मों

पिका ॥ मूल ॥ रत्न ॥ अर्धचन्द्र ॥ वत्सदक ॥ कनपुत्र ॥ गभस्तन ॥ सन्दलक ॥ नानीका ॥ उलुली ॥ पत्रिद्य ॥ ॥
मूं मूं मूं मूं मूं मूं मूं मूं मूं मूं मूं मूं मूं

गदा ॥ नामलें ॥ घास ॥ पदिस ॥ गिरीपाल ॥ कन ॥ सलिका ॥ मलल ॥ अष्टि ॥ रत्ना ॥ कन ॥ पन ॥ ॥
मूं मूं मूं मूं मूं मूं मूं मूं मूं मूं मूं मूं मूं

गम
२०

वी०का०
२५

गमन॥ विसर्ग॥ ज्ञानि॥ रुफि॥ चिका॥ विसृष्टि॥ वाक्॥ छाल॥ स्पर्श॥ प्रक॥ नसना॥ श्रुति॥ हान॥ धानि॥
जिं टिं तिं छिं लिं निं थिं दिं धिं निं मिं छिं विं

रय॥ उपरु॥ गिर॥ मान॥ मद॥ कुमि॥ नाल॥ गर्व॥ कुन॥ मूर्छा॥ शवह॥ विसर्गमा॥ नस॥ मोह॥ मासर्ग्य॥
लिं मिं थिं विं लिं विं लिं धिं लिं हिं किं कीं खीं गीं

सम्र॥ शान्त्य॥ जिका॥ तृष्टा॥ लोका॥ धृम॥ दन्त॥ समान॥ शान्त्य॥ गुफि॥ सृष्टि॥ नस्य॥ कर्म॥ श्रुति॥
धीं कीं धीं कीं जीं जीं उीं दीं गीं डीं डीं लीं तीं थीं

नाम
२५

गाम॥ श्रुति॥ स॥ स॥ स॥ प्रक॥ निर्वदि॥ कथाय॥ शान्त्य॥ शान्त्य॥ दिक्॥ काला॥ नम॥ श्रुति॥ धृष्ट॥
दीं धीं नीं पीं खीं वीं भीं मीं थिं लीं नीं वीं लीं

उरु॥अर्थ॥मना॥कमूक॥विषाद॥प्रसाद॥पनम॥सहज॥आनन्द॥धीन॥यागा॥लगा॥वात्सल्य॥इर्मने॥
वीं सीं हीं जीं कं खं गं घं ङं चं छं जं झं

चिन्तकी॥कपत॥अकि॥प्रवृत्ति॥चापन॥आत्मन॥अज्ञताप॥रुषा॥समीह॥समता॥लगा॥आवृत्ति॥प्रकाश॥
दं धं नं पं फं बं

ऊरुता॥अकृति॥ओसुम्भा॥दम्भ॥उग्र॥व्याधि॥आध॥आकान॥सह॥संशुका॥विकल्पा॥गन्ध॥सिता॥
अं मं यं लं नं वं णं षं सं झं ञं कं खं

वेन्दव॥प्रवाह॥घाटक॥घाल॥अपवाद॥काल॥मर्यादा॥पनिपात॥उदान॥आलम्भ॥आकाश॥अशर्म॥
गं घं ङं चं छं जं झं दं धं नं पं फं बं

वी० का०
२२

सिंह॥ कृकन॥ डह॥ वेनास॥ पत्रिकमा॥ सहाय॥ मरुतुवा॥ समद॥ रुपा॥ सुनि॥ नूनि॥ कृता॥ खद॥
रं रं थं इं थं नं पं थं वं रं मं थं लं

अनूति॥ शृगुप्ता॥ अरु॥ पत्रिकाचा॥ अमरुव॥ कोधा॥ महाकाध॥ विवका॥ डाह॥ मोता॥ गभका॥ विश्वदे॥
नं वं मं थं रं इं रं कं रं गं थं कं

व्यनति॥ क्रमा॥ लुका॥ उष्टि॥ व्ययनधि॥ विदुपा॥ व्यालीर॥ अरुम॥ अरुम॥ श्वेय्य॥ येनाय॥ समान्या॥
चं कं रं अं थं रं ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

गम
२२

हंसा॥ नामाचा॥ वृद्ध॥ शृगुप्ता॥ सम्विगा॥ दया॥ नावि॥ कृता॥ कोटिल्या॥ निवृत्ता॥ वृत्ति॥ अमरुव॥
दं थं नं पं थं रं वं रं मं थं नं लं वं

दिष्ट॥दिष्टोद्युक्त॥प्रणव॥ब्रह्मक॥निर्मल॥सर्ग॥वर्ग॥मधुरा॥रत्न॥गर्भ॥न॥चक्र॥निष्ठा॥मधुमा॥
लं वं सं हं कं खं गं घं ङं जं

पंचम॥धेवत॥आन॥उद्गीता॥रुमि॥रुलायि॥रिंकन॥द्वंद्वरु॥स्तोत्र॥द्रुका॥रौरु॥नानागसी॥
जं जं टं ठं डं ढं लं नं थं दं धं नें

ब्रह्मकान॥अक॥युक्त॥साम॥अथर्व॥मुकु॥संवत्सरक॥अव्ययविकार॥लिङ्गा॥कल्प॥श्रृंग॥समाधि॥
पं थं वं लं मं यं नं लें वं लं घं सं हं

नचक्र॥रुगा॥मिगवन्त॥अज्ञावाक॥अवस्तुत॥अध्वर्यु॥अग्नियस्याता॥उन्नता॥उद्गीता॥प्रस्तावना॥
कं कां खां गं घं ङं चों ङं ङं जं जं

वी० का०

२३

पुनिरुहा॥सुवपुष्प॥वृक्षा॥वृक्ष॥लक्ष्मी॥श्री॥पाता॥सर्वदि॥सकुल॥मख॥कृति॥गह्वर्यु॥
(जं मं लं जं छं लं नां धं दां जं नां धीं)

दक्षिणमि॥शरवतीया॥पता॥गर्मा॥अनलि॥सामधेनी॥चतु॥उद्वरखला॥शुशु॥धुवा॥धुवा॥धुका॥
(हो वां हां भां यां नां लो वां लो वां हां हां)

अवरुता॥भय॥शाय॥प्रयाज॥अनयाज॥विक्रया॥लुगु॥संयाजा॥नीवाका॥धुका॥मका॥अपान॥
(जो को लो लो धो लो वो को जो जो जं लो)

नाम

२३

वृक्ष॥पाक॥शुच॥साम॥धनंजय॥कालिसंका॥लक्ष्मी॥दाक्ष॥शाल्विन॥तन्माया॥चंसुस॥का॥मानार्थ॥
(लं जं छं लो नां लो दां धो नां धीं धीं वां हां)

समुद्र॥कुवा॥लिवा॥नरु॥प्रसाद॥शुद्धा॥सुधा॥वधुद॥प्रसाद॥कृष्णपाल॥कनया॥कोलक॥गलभा॥
मो यो नो लो वो ओ धो हो को कं वि गं

कर्तुनी॥भगवती॥भार्गव॥लक्ष्मी॥भक्त॥नियत॥रुति॥काल॥श्रुति॥वैतनिक॥कर्तृकटा॥नकु॥
घं ङं चं कं जं ञं टं ठं णं

उमाथ॥समाथ॥दीपही॥मृष्टिका॥शुद्धि॥कृत्तिका॥दिग्ध॥सर्वगा॥शीली॥पाली॥कुला॥रुली॥तर्कुनी॥
नं थं दं धं नं पं रं वं रं मं यं त्रं लं

ध्रुवता॥वधी॥दुनी॥दुर्वी॥गुप॥दुम॥
वं लं धं सं हं जं

॥ श्रीरुचि ॥
॥ श्रीरुचि ॥
॥ श्रीरुचि ॥

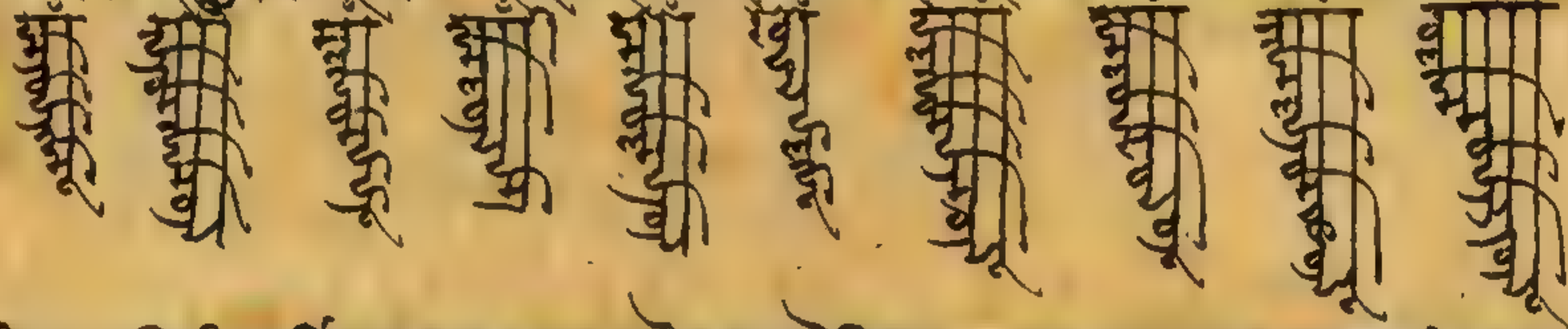
वी० का०
२४

महेश्वर ॥ गुरुभ्यः ॥ वामदेव ॥ सद्योजात ॥ अद्योत ॥ हरीशम्भ ॥ याम ॥ वादली ॥ अक्षय ॥ हरेवती ॥

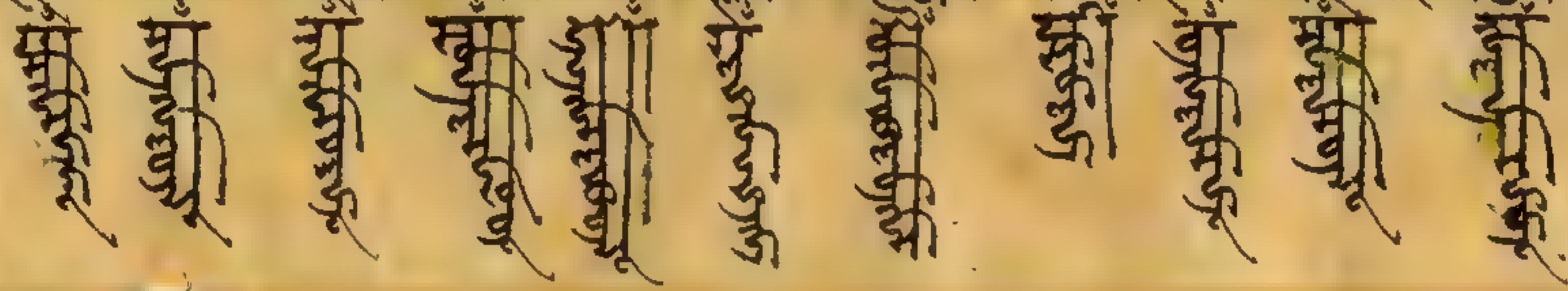
विष्णु ॥ विधि ॥ राकिनी ॥ आन ॥ चैव ॥ मृदुजया ॥ श्रीकाल ॥ मोद ॥ पानापन ॥ चिकामादि ॥ पुनीय ॥

राम
२४

आनन्द॥ मारुतु॥ वनाह॥ मानसिह॥ लिंग॥ रागव॥ वहायस्त॥ वायवीया॥ अग्निय॥ वानरा॥ २६॥



हंस॥ गकिनी॥ तारुहिया॥ चन्द्र॥ तान॥ वेष्टव॥ विक्रम॥ पना॥ राग॥ कला॥ स्वार्युवा॥ २७॥



धोन्वा॥ अतन॥ पक्कन॥ मृष्टि॥ क्लिगि॥ मंराम॥ अनाखा॥ लसा॥ हिनत्थगर्क॥ सत्त्व॥ नका॥ नम॥
मंगी॥ मंगी॥ मंगी॥ मंगी॥ मंगी॥ मंगी॥ मंगी॥ मंगी॥ मंगी॥ मंगी॥

रम॥ मृताक्षन॥ कुतुलिनी॥ स्वाधिराना॥ मलिपूना॥ अनाहता॥ विलुक्क॥ अहगा॥ पाल॥ रुनव॥
मंगी॥ मंगी॥ मंगी॥ मंगी॥ मंगी॥ मंगी॥ मंगी॥ मंगी॥ मंगी॥ मंगी॥

वी०को०
२६

नेगम॥सुपुम्ना॥ॐ॥गालुवा॥यद्भा॥रोम॥वी॥न॥कापिला॥निवाह॥स्वप्नावती॥वैकानिका॥उ॥या॥

ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥

वाडल॥वृह॥नथ॥सृष्ट॥मरु॥गु॥का॥म॥क॥य॥रु॥॥म॥म॥॥भ॥थ॥व॥॥षा॥का॥म॥रु॥॥

ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥ ग्री॥

गाम
२६

आहुनिवस ॥ क्षमावरा ॥ आनिमया ॥ पुनः ॥ अविष्टा मा ॥ अविष्टा मा ॥ अविष्टा मा ॥ वाक्यय ॥ पुनः ॥ नीका ॥ ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

घातनी ॥ सोऽग ॥ मली ॥ अस्वमेव ॥ नाक ॥ सुमा ॥ सिद्धकतामहाव ॥ गानतसवर्तु ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

वी० का०
२१

विश्वजिगा॥ वृक्षयज्ञा॥ अथकान्॥ नथकान्॥ विष्णुकान्॥ सूर्यकान्॥ गरुकान्॥ वलरिग॥ नागयज्ञा॥
वि० का० २१

सावित्री॥ अक्षसावित्री॥ सर्वगारुड॥ आदित्यामया॥ गवामया॥ सूर्यामया॥ कालुषामया॥ अग्निविगा॥
वि० का० २१

गम
२१

दादल्लहा॥उपालु॥दीकासामा॥अल्यप्रगियहा॥वहिनथ॥अपुदय॥सर्वस्वदिल्ल॥गमध॥नममध॥

मूं॥ वूं॥ मूं॥ वूं॥ मूं॥ वूं॥ मूं॥ वूं॥ मूं॥ वूं॥

नेग॥स्वाहकाना॥तनुतपा॥गमदाह॥ॐ॥संमिर॥त्यन॥शाह॥क॥द॥पोल्लमास॥

मूं॥ मूं॥ मूं॥ मूं॥ मूं॥ मूं॥ मूं॥ मूं॥ मूं॥ मूं॥

वी० का०
२८

नैशावरु॥ लोचना॥ सोतागुहकता॥ कावीनी॥ नचया॥ वेनगया॥ वक्रसना॥ लोकाभाहना॥ भीखचूगा॥ गऊसकाया॥
मूं मूं मूं मूं मूं मूं मूं मूं मूं

कन्दर्पवलभना॥ रनव॥ कामद॥ विष्णुकमा॥ अष्टकला॥ अवलगा॥ सव्यमकु॥ दीर्घसग॥ नवहना॥ ११८॥
मूं मूं मूं मूं मूं मूं मूं मूं मूं

नाम
२८

मानायाम् ॥ १॥ वृक्षाम् ॥ लङ्काम् ॥ वैष्णवाम् ॥ प्राजापत्याम् ॥ कोविताम् ॥ अग्न्याम् ॥ कन्याम् ॥
अमनकलीं कलहलीं हललजं ऊजमलीं हललहलीं डमलवीं नमलवीं वमलवीं

पुत्राम् ॥ वात्राम् ॥ वायव्याम् ॥ याम्याम् ॥ कालाम् ॥ लोभाम् ॥ पाऊया ॥ वैष्णव ॥ नाग ॥ पर्वत ॥ १८ ॥
नमनवीं कमलवीं समलवीं हमलवीं यमलवीं नहकई नहकई सहकई ऊजमलई ऊमलजई

पायाला ॥ सोवर्ण ॥ त्वाष्ट्र ॥ तामस ॥ नेमिन ॥ माग ॥ वाक् ॥ अडुम्ब ॥ दानव ॥ गन्धर्व ॥ ३० ॥
ऊजमलजई ऊजम ऊजमल ऊजम ऊजमल नकुलम नकुलम नकुलम नकुलमल नकुलमल
लजम जम लजम यनम ल ल ल

वी.का.
२९

पेलच ॥ कृष्ण ॥ प्रसापन ॥ हेमन ॥ नाकस ॥ भेवा ॥ गुच्छ ॥ रात्र ॥ भवन ॥ कालकृत् ॥
नक्षत्रमल ॥ नक्षत्रमल ॥ नक्षत्रमल ॥ कमली ॥ ककली ॥ कवली ॥ कगली ॥ कहली ॥ करुली ॥ कमलें

वृक्षमित्र ॥ वृक्षमित्र ॥ भलरा ॥ नाकस ॥ शिख ॥ स्वान्द ॥ प्रथम ॥ वेनायक ॥ गल ॥ उत्प्रात ॥
ककलें ॥ कवलें ॥ कगलें ॥ कहलें ॥ करुलें ॥ तमझी ॥ कझी ॥ नमनयूं ॥ नखुथी ॥ सखजकझी

काल ॥ १ ॥ कृष्णालु ॥ मूर्कन ॥ आमक ॥ भवन ॥ माकन ॥ स्वप्न ॥ मोहन ॥ कर्महृत् ॥
सखकुलज ॥ सखकुलज ॥ सखकुलज ॥ सखकुलज ॥ सखकुलज ॥ सखकुलज ॥ सखकुलज ॥ सखकुलज ॥
मी ॥ लेझमी ॥ कमी ॥ हकर्म ॥ कझमी ॥ प्रकमी ॥ लेझमी ॥ कझमी ॥ कझमी

नाम
२९

वला ॥ श्रुतिवला ॥ निमीलन ॥ अचंगन ॥ उन्माद ॥ रुचव ॥ उत्तरक ॥ अपस्मान ॥ अकडि ॥

सखकु सखकु सखकु सखकु सखकु सखकु सखकु सखकु सखकु
रुक्रम रुसमी कमी रुक्रम लक्रम अक्रम सक्रम सक्रम ४ धक्रमी

मानल ॥ अदभाकु ॥ ॥ इति श्रीबीजा पवीरकूय ४ श्रीमहाकालसंहितायां ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

सखकु सखकु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

अक्रमी रुक्रमी ये स्वेच्छाकृत इदं बीजकोषलेखनीयं हरिनरसिं देवज्ञहस्ताक्षरपुष्टकम्

यस्य समदशधा मुकुटम्यतां पत्रमण्डनी ॥ अहं यत्तु गवान् यन्ममदद्यानमगुल ॥ ॥

संस्वगुल्लमिति माद्यवदी १० नोक्तं पुष्टकमिदं ॥ अमुक ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

नाम
३०

२८ पा. ना.

३० पा. ना.

॥ श्री परमेश्वर्यो जी पवीज मंत्र कोष महा काल संहितोक्त ॥

आशा प्ररुवाथ	
2225	I
ASHA ARCHIVES	